सोमवार
13 मई 2024

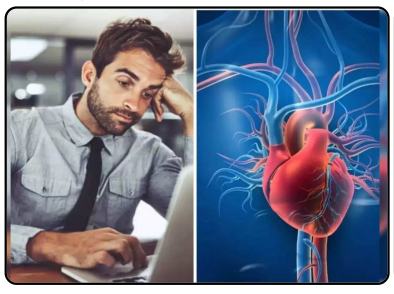

पृष्ठ 4

मौत का खतरा कई गुना ज्यादा बढ़ा...

पृष्ठ 5

रणवीर सिंह के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 103
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
– रहीम

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चौथे चरण में भी मतदाता उदासीन

●1 बजे तक 38 से 40 फीसदी तक मतदान
●अब तक 379 सीटों के लिए मतदान, 163 सीटें शेष

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में आज 10 राज्यों की 96 सीटों के लिए वोट डाले जा रहे है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पहले 2 घंटे में औसत 9 फीसदी तथा 4 घंटे में यानी 11 बजे तक 27 फीसदी तथा 1 बजे तक 38 से 40 फीसदी के आसपास मतदान होने की खबरें हैं। हालांकि हर एक राज्य में मतदान का प्रतिशत कहीं थोड़ा कम तो कहीं थोड़ा अधिक है। चौथे चरण के लिए आज हो रहे मतदान का प्रतिशत क्या रहता है पिछले दो चरणों की तुलना में यह तो बाद में ही पता चल सकेगा लेकिन मतदाताओं में कोई खास उत्साह इस चरण में भी नहीं दिखाई दे रहा है।

इस चौथे चरण के मतदान के संपन्न होने के साथ लोकसभा की कुल 543 सीटों के सापेक्ष 379 सीटों पर मतदान संपन्न हो जाएगा। शेष बचे तीन चरणों में 163 सीटों पर मतदान होना शेष बचेगा जिसमें सबसे ज्यादा 41 सीटें उत्तर प्रदेश की होगी। आज जिन 96 सीटों पर मतदान हो रहा है उसमें उत्तर प्रदेश की 13 सीटें हैं जबकि आंध्र प्रदेश की सभी 25 और तेलंगाना की सभी 17 सीटें शामिल है। चौथे चरण में आज महाराष्ट्र की 11 तथा मध्य प्रदेश व पश्चिम बंगाल की 8-8 सीटें शामिल है। इसके अलावा बिहार की 5 व उड़ीसा तथा झारखंड की चार-चार व जम्मू कश्मीर की एक सीट शामिल है।

चौथे चरण के इस मतदान के संपन्न होने के साथ ही 70 फीसदी चुनाव संपन्न हो जाएगा। हालांकि चुनाव के पहले चरण के साथ सभी राजनीतिक दल और विश्लेषज्ञों द्वारा कम मतदान प्रतिशत को लेकर तथा मतदाताओं के मन की तरह लेने के आधार पर किसे कितनी सीटें मिलेगी तथा 2014 और 2019 की तुलना में किसे कितना नुकसान या फायदा होने की संभावना है इसे लेकर अपने-अपने कयास लगाने शुरू कर दिए गए थे। लेकिन अब चार चरण के मतदान और 70 फीसदी सीटों के लिए वोटिंग होने के बाद स्थितियां काफी हद तक साफ हो चुकी है। अब तक सत्ता पक्ष के 400 पार और विपक्ष का सुपड़ा साफ जैसे दावे हवा हवाई हो चुके हैं। चार चरण के बाद अब कोई दल या नेता भले ही जुबानी तौर पर कुछ भी कहे या दावा कर रहा हो कि सरकार

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सचिव गृह उत्तराखण्ड ने यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। सचिव गृह उत्तराखण्ड दिलीप जावलकर आज पुलिस कार्यालय रुद्रप्रयाग पहुंचे। जहां उन्होने सलामी लेने के बाद पुलिस कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों के फीड की जानकारी ली गयी।

पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग ने उन्हे अवगत कराया कि 16 कैमरों से केदारनाथ धाम के अलग-अलग क्षेत्रों का फीड कार्यालय में प्राप्त हो रहा है, इनके अतिरिक्त 65 सीसीटीवी कैमरों से जनपद की यातायात व्यवस्था का फीड प्राप्त हो रहा है, जिसकी मॉनीटरिंग उनके द्वारा अपने कार्यालय कक्ष व पुलिस कन्ट्रोल रूम से की जाती है।

जिसके बाद सचिव गृह ने पुलिस कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण कर यात्रा के विषय में जानकारी ली। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने अवगत कराया कि केदारनाथ यात्रा अवधि में पुलिस कन्ट्रोल रूम यात्रा कन्ट्रोल रूम का भी कार्य करता है। यह भी अवगत कराया गया कि जनपद में स्मार्ट कमाण्ड एवं

कन्ट्रोल रूम का कार्य गतिमान है, अगले माह से यह कन्ट्रोल रूम पूरी तरह से शुरू हो जायेगा।

पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग ने श्री केदारनाथ धाम यात्रा की तैयारियों एवं अब तक चली केदारनाथ धाम यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में यात्रा के संचालन हेतु पुलिस कन्ट्रोल रूम ही यात्रा कन्ट्रोल रूम के तौर पर कार्य कर रहा है। कन्ट्रोल रूम के पास यात्रियों की संख्या, वाहनों की संख्या, यातायात की समस्या

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के करीबी बिभव कुमार पर लगाया मारपीट का आरोप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनके करीबी बिभव कुमार ने उनके साथ मारपीट की।

सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 10 बजे सीएम आवास से मालीवाल ने पीसीआर कॉल की थी। कॉल के बाद दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री के सिविल लाइंस स्थित आवास पर पहुंची। मामले में पुलिस को अभी तक औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। बिभव कुमार हाल ही में तब सुर्खियों में आए जब दिल्ली सतर्कता विभाग ने उन्हें अवैध नियुक्ति का हवाला देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव के पद से बर्खास्त कर दिया। विभव कुमार को 2007 में एक लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोकने के लिए हमला करने और आपराधिक बल का उपयोग करने के मामले में बर्खास्त कर दिया गया था। इस बीच फरवरी में बिभव को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी तलब किया था।

'पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी हैं, तो पहना देंगे'

मुजफ्फरपुर। बिहार दौरे के दूसरे दिन सोमवार को हाजीपुर के बाद पीएम मोदी ने मुजफ्फरपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया और इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि ये देश का चुनाव है, ये हिंदुस्तान का भविष्य तय करने का चुनाव है, ये चुनाव देश का नेतृत्व चुनने का चुनाव है। देश, कांग्रेस वाली कमजोर, डारपोक और ध्अस्थिर सरकार बिल्कुल नहीं चाहता। पीएम ने इंडी गठबंधन के नेताओं पर हमला करते हुए कहा ये लोग इतने डरे हुए हैं कि इन्हें रात को सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखाई देता है। ये इंडी गठबंधन के नेताओं के कैसे बयान आ रहे हैं, कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनीं हैं। अरे भाई,

पहना देंगे। उनको आटा भी चाहिए, बिजली भी नहीं है। अब हमको मालूम नहीं था कि उनके पास चूड़ियां भी नहीं हैं।

इस महीने की शुरुआत में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के राजनाथ सिंह के संकल्प पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश ने चूड़ियाँ नहीं पहन रखी हैं और उसके पास परमाणु बम हैं जो भारत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अब्दुल्ला का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं पर प्रकाश डाला।

हाजीपुर में पीएम मोदी ने दावा किया कि राजद और कांग्रेस बिहार के लोगों के कल्याण से ज्यादा अपने वोट बैंक को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने राजद पर राज्य में जंगल राज लाने का आरोप लगाया। लालू प्रसाद यादव के मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए का जिक्र करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद संविधान द्वारा दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को दिए गए आरक्षण को छीन लेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस और राजद के नेता अपने-अपने बच्चों को निपटाने में व्यस्त हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

आर या पार वाला चुनाव

देश की 18वीं लोकसभा के लिए आज चौथे चरण की 96 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। इससे पूर्व तीन चरण के मतदान में 283 सीटों के लिए मतदान हो चुका है। इसके बाद अंतिम तीन चरण में 163 सीटों के लिए चुनाव ही शेष बचेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोकसभा का यह वर्तमान चुनाव कई मामलों में अब तक हुए तमाम चुनावों से अलग तरह का चुनाव है। इस चुनाव में मंडल-कमंडल जैसे दौर वाली कोई लहर नहीं है। और न ही किसी राजनीतिक चेहरे पर यह चुनाव लड़ा जा रहा है। भले ही भाजपा ने पिछले दो चुनाव मोदी के चेहरे पर बखूबी लड़े और जीते हो लेकिन इस चुनाव में मोदी के मैजिक जैसी कोई बात नहीं दिख रही है। यह कहना भी अनुचित नहीं होगा कि मोदी और मोदी का मैजिक एक मजाक बन चुका है। इस चुनाव के दौरान लोग उनकी बातों को गंभीरता से सुनना तो दूर बल्कि सोशल मीडिया पर वह जूम कर ट्रोल कर रहे हैं। हमें याद है कि 2014 के चुनाव में जब अच्छे दिन आने और काले धन को वापस लाने तथा गरीबों के खातों में पैसे डालने की बात कही जा रही थी तब कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मोदी को फेंकू कहा था। दिग्विजय सिंह की यह बात उस समय भले ही देश के लोगों को अच्छी न लगी हो लेकिन उनके 10 साल के कार्यकाल में उनकी कथनी और करनी ने खुद ही यह साबित कर दिया है कि दिग्विजय सिंह की सोच कितनी ठीक थी। भाजपा और उनकी सरकार द्वारा अपने 10 साल के कार्यकाल में आम जनता से जो वायदे किए गए थे उन्हें कितना पूरा किया गया। बात महंगाई की या बेरोजगारी कम करने की हो या फिर किसानों की आर्थिक हालात बदलने की सरकार सभी मुद्दों पर नाकाम रही है। वही सरकार द्वारा अपने नीतिगत फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। सरकार द्वारा लिया गया नोटबंदी का फैसला क्या देश से काला धन समाप्त करने के लिए लिया गया था? अब इस सवाल का जवाब सामने आ चुका है। काले धन को सफेद करने के लिए इस खेल से अर्थव्यवस्था को क्या नुकसान हुआ और लोगों को कितनी समस्याएं हुई यह सभी जानते हैं। सरकार द्वारा इलेक्टोरल बांड के जरिए कैसे धन बटोरने का काम किया गया इसका सच भी देश के सामने आ चुका है और देश के धनपतियों और उद्योगपतियों को ऋण माफी से लेकर अन्य तमाम जरिए से कैसे देश की संपत्ति को लूटकर लाभ कमाया गया इसके लिए अब किसी भी प्रमाण की जरूरत नहीं रह गई है। पिछले 10 सालों में देश को जो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है वह सत्ता के चीर हरण की संस्कृति से हुआ है। निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने और सत्ता हड़पने के खेल ने लोकतंत्र का जो तमाशा बनाया गया है तथा अब निर्विरोध सांसदों के चुनाव का जो रास्ता तलाशा है और उनके जरिए आम आदमी से उनके वोट के संवैधानिक अधिकार को छीनने की कोशिश की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय सवाल है। विपक्ष ने वर्तमान चुनाव में लोकतंत्र और संविधान बचाव के मुद्दों को लेकर जिस तरह सबसे अहम मुद्दा बना दिया है वह अब सत्ता धारी दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम और हिंदुस्तान-पाकिस्तान तथा आरक्षण जैसे मुद्दों को हवा देकर आसानी से चुनाव जीतने का सपना देखने वालों के लिए यह चुनाव पहले दौर के मतदान से ही लगातार कठिन होता जा रहा है। इस चुनाव का नतीजा क्या होगा 4 जून को तय हो जाएगा। लेकिन यह तय है कि नतीजा आर या पार ले जाने वाला ही होगा। या तो देश का लोकतंत्र और अधिक सशक्त व मजबूत बनकर उबरेगा या फिर देश के लोकतंत्र व संविधान का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

मुनस्यारी पब्लिक स्कूल के टॉपर छात्रों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। सामुदायिक पुस्तकालय द्वारा मुनस्यारी पब्लिक स्कूल के कक्षा 1 से कक्षा 7 तक के विद्यार्थियों को अपनी कक्षा में टॉपर आने पर जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास की उपयोगिता पर जानकारी दी गई।

मुनस्यारी पब्लिक स्कूल में सामुदायिक पुस्तकालय को लेकर आयोजित कार्यशाला के प्रथम सत्र में पब्लिक स्कूल के कक्षा एक के टॉपर मानसी लसपाल, कक्षा 2 के टॉपर जयनीत सिंह, कक्षा 3 के टॉपर प्रांजल धामी, कक्षा 4 के टॉपर गर्वित बोथीयाल, कार्तिक बिष्ट, कक्षा 5 के टॉपर स्नेहा सयाना, कक्षा 6 की टॉपर दीपेन पांगती, कक्षा 7 के टॉपर तनय सिंह धपवाल, कक्षा 8 के टॉपर रोहित सिंह जोशाल को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 के रूप में प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जोहर शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मसक्तू द्वारा पुस्तकालय टीम के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए। पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य नंदा धर्मशक्तू ने कहा स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के अलावा उनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा शिक्षकों के साथ वर्तमान में चल रही शिक्षा व्यवस्था पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुनस्यारी के बच्चे इसी जगह पर बेहतर तैयारी कर सके इसके लिए सामुदायिक पुस्तकालय खोला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय के माध्यम से शिक्षा और स्वरोजगार के साथ-साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्य किया जाएगा।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने शहीद दुर्गा मल्ल पीजी कालेज के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी से 86 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम करन कुमार पुत्र आशीष कुमार निवासी केशवपुरी बस्ती बताया। वहीं रायपुर थाना पुलिस ने लोअर तुंनवाला के पास से एक युवक को 58 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम शुभम कुमार पुत्र रंजीत सिंह निवासी लोअर तुनवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

नरमू ने रेल प्रबंधक के दौरे का किया विरोध, प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। मिड सेशन में अनुचित रूप से ट्रांसफर के लिए रेल प्रबंधक के दौरे का नरमू ने कडा विरोध प्रदर्शन किया। आज यहां नरमू की देहरादून शाखा ने मंडल रेल प्रबंधक के दौरे के दौरान स्टेशन पर मिड सेशन में अनुचित रूप से किये गए ट्रांसफर के विरुद्ध में संबंधित विभाग जैसे डी टीआरडी, सर डीएसटीई और सीएमएस के तानाशाही रवैए के विरोध में और रेलवे कर्मचारियों के शोषण के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया और अफसरों की मुर्दाबाद की गई। कर्मचारियों के प्रति उदासीन रवैया, शोषण और उचित कार्य न होने के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया। यदि अफसरों की मनमानी खत्म नहीं हुई तो आगे भी एनआरएमयू इसी प्रकार विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। आज के प्रदर्शन में नरेश गुरुंग (शाखा सचिव), बी एस राजपूत, राकेश नौटियाल, आर एस राठी,गंगा चरण,नरेश कुमार, मेहरबान सिंह, वीरेंद्र नेगी, दीपक चौहान, दिलीप कुमार, रामसोच, अमित,कामिल, राजू, अमित थापा, मनीष,राहुल, नवीन जोशी, प्रदीप चौहान, राजेंद्र राणा आदि मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने की मनोज तिवारी के पक्ष में मतदान की अपील

नई दिल्ली (सं)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कमल विहार व अजीत विहार में जनसम्पर्क कर लोगों से भाजपा के लिए वोट मांगे। आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा के बुराड़ी विधानसभा के संतनगर मंडल के कमल विहार एवं अजीत विहार में जनसंपर्क किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार के स्टीकर भी लगाए और पत्रक भेंट कर क्षेत्रवासियों से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी के पक्ष में मतदान की अपील की। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने में आगामी 25 मई को लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आव्हान भी किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह, रेखा रावत, बीजेपी प्रवासी प्रकोष्ठ के पूर्व संयोजक गिरीश बलूनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी, महामंत्री विजय प्रताप राठौर, सुंदर सिंह रावत, अनंत गोपाल बिट्टू, नवीन सिंह, जगमोहन बिष्ट, प्रताप सिंह रावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

यस्ते अग्ने सुमतिं मर्तो अक्षत्सहसः सूनो अति स प्र शृण्वे।
इषं दधानो वहमानो अश्वैरा स द्युमाँ अमवान्भूषति द्यून्।।

(ऋग्वेद १०-११-७)

जो मनुष्य ज्ञान के पुंज अग्नि से प्रकाश प्राप्त कर लेता है। उसे पोषण, ज्ञान और शक्ति की कभी कमी नहीं रहती। उसका जीवन प्रकाशमय हो जाता है। उसकी कीर्ति दूर-दूर तक पहुंच जाती है। वह ज्ञानवान और बलशाली होता है।

करन माहरा ने कुमारी सैलजा के लिए किया चुनाव प्रचार

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने हरियाणा के सिरसा लोकसभा क्षेत्र में कुमार सैलजा के लिए चुनाव प्रचार किया।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं उत्तराखण्ड प्रभारी कुमारी सैलजा के चुनाव प्रचार में हरियाणा प्रदेश के सिरसा लोकसभा क्षेत्र में रतिया विधानसभा क्षेत्र के भोटिया खेड़ा, मानांवाली, खैराती खेडा, कुकडावाली आदि स्थानों पर चुनाव प्रचार में प्रतिभाग किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नवीन जोशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा 12 मई, से हरियाणा के चुनावी भ्रमण पर हैं। इसी के तहत आज करन माहरा ने सिरसा लोकसभा क्षेत्र में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के चुनाव प्रचार में विभिन्न स्थानों पर चुनाव प्रचार कर स्थानीय जनता से कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में वोट की अपील की। सिरसा लोकसभा क्षेत्र में अपने चुनावी संबोधनों में कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकाल में किये गये विकास कार्यों के नाम पर वोट मांग रही है जबकि भाजपा सरकारी तंत्र का उपयोग कर झूठे वादों तथा धर्म के नाम पर चुनाव लड रही है।

उन्होंने कहा कि आज केन्द्र और राज्य की सत्ता में बैठी सरकार पूरी तरह से पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है। भाजपा सरकार द्वारा बडे-बडे औद्योगिक संस्थानों और सरकारी सम्पत्तियों को अपने पूंजीपति साथियों के हाथों कौडियों के भाव बेचकर बेरोजगारों की आशाओं पर कुठाराघात किया जा रहा है। ईडी, सीबीआई जैसी देश की संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए किया जा रहा है तथा कांग्रेस सहित अन्य दलों के जो लोग इन संस्थाओं के डर से भाजपा में शामिल हो रहे हैं यह उसका जीता जागता उदाहरण है। करन माहरा ने कहा कि पिछले 10 वर्ष के शासन काल में सबसे अधिक उत्पीड़न देश के अन्नदाता का हुआ है। संसद में संख्याबल के आधार पर संसदीय प्रणाली व प्रजातंत्र को धता बताते हुए किसान विरोधी तीन काले कानून पारित किए गए। सत्ता के बल पर सड़क पर आन्दोलनरत किसानों को केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री के पुत्र द्वारा गाडी से कुचल कर निर्मम हत्या जैसे जघन्य अपराध किये गये। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी सहित विपक्ष के भारी जन दबाव में सरकार को काले कानून वापस लेने पड़े। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी भी उपस्थित रहे।

ताप से बचाव को पैटर्न बदलें किसान

अनु मिश्रा

सच है कि ग्लोबल वॉर्मिंग ने हमारे खेत-खलिहानों में दस्तक दे दी है। जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वह आम आदमी के लिये तो कष्टकारी है ही, किसान के लिये संकट ज्यादा बढ़ा है। इसका सीधा असर खेतों की उत्पादकता पर पड़ रहा है। जिसके मुकाबले के लिये सुनियोजित तैयारी की जरूरत है। किसानों को उन वैकल्पिक फसलों के बारे में सोचना होगा, जो कम पानी व अधिक ताप के बावजूद बेहतर उत्पादन दे सकें। अन्न उत्पादकों को धरती के तापमान से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत करने की जरूरत है, यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो मान लीजिए कि हम आसन्न संकट की अनदेखी कर रहे हैं। यह मसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुद्दा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य श्रृंखला से भी जुड़ा है। यानी गाहे-बगाहे इस संकट की जद में देश का हर नागरिक आएगा। दरअसल, दुनिया के तापमान पर निगाह रखने वाली वैश्विक संस्था डब्ल्यू.एम.ओ की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है जिसमें कहा गया है कि पिछले एक दशक में पृथ्वी का तापमान कमोबेश औसत तापमान से अधिक ही रहा है। फिक्र की बात यह है कि इसके मौजूदा साल में और अधिक रहने की आशंका जतायी जा रही है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि से पूरी दुनिया का मौसम चक्र गहरे तक प्रभावित होता है। देर-सबेर इससे मनुष्य जीवन का हर पहलू प्रभावित होगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वॉर्मिंग संकट के चलते पूरी दुनिया में यह कह पाना कठिन है कि कहां अप्रत्याशित बारिश होगी और कहां कष्टकारी तापमान बढ़ेगा। लेकिन इसके बावजूद विकसित देशों की सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत नजर नहीं आती। ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ सकता है। जो मानव जीवन चक्र व फसलों के लिये घातक साबित हो सकता है।

यह सर्वविदित है कि दुनिया के बड़े राष्ट्र कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने के लिये प्रतिबद्ध नजर नहीं आ रहे हैं। पूरी दुनिया में बड़े राष्ट्र विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी से दोहन करने में लगे हैं। वे इस बात को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं कि आज दुनिया में औद्योगिकीकरण से पहले के समय के मुकाबले विश्व का तापमान निर्धारित सीमा को पार कर चुका है। जो हमारे लिये एक खतरे की घंटी जैसा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हम मौसमी बदलाव के अनुकूल खुद को उसी अनुपात में तेजी से ढाल नहीं पा रहे हैं। दरअसल, हमें मौसम के व्यवहार में तेजी से हो रहे बदलाव के अनुरूप अपनी खेती के पैटर्न में भी बदलाव की जरूरत है। उन परंपरागत फसलों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है जो कम बारिश व अधिक तापमान में ठीक-ठाक उपज देने में सक्षम हैं। एक समय भारत में बड़े भू-भाग में हम मोटे अनाज का उत्पादन करते थे, जो कम बारिश में भी बेहतर फसल दे सकता था। लेकिन कालांतर हमने अधिक सिंचाई वाली फसलों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करना तेजी से शुरू कर दिया। मौसम में बदलाव का असर खाद्यान्न ही नहीं, सब्जियों, फल-फूलों पर भी गहरे तक पड़ रहा है। ऐसे में सिर्फ कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। हमारे कृषि विश्वविद्यालयों को फसलों के नई किस्म के बीज तैयार करने होंगे, जो किसानों को संबल देने के साथ ही हमारी खाद्य सुरक्षा चेन को सुरक्षित बना सकें। साथ ही हमें कार्बन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी अंकुश लगाना होगा। हमें मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों पर भी नियंत्रण करना होगा क्योंकि भारत चीन के बाद मीथेन उत्सर्जन में दूसरे नंबर पर है। साथ ही पशुधन का संरक्षण भी अनिवार्य होगा। यदि हम अभी भी नहीं जागे तो हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, चक्रवाती तूफान जैसी आपदाओं के लिये तैयार रहना होगा। भारत, जहां देश की आधी आबादी कृषि व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है, उसके लिये यह संकट बड़ा है।

पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर जारी

पावर स्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज हो गया है। यह उनकी पैन इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। टीजर के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है। फिल्म को इसी साल रिलीज किया जाएगा। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई खुलासा नहीं किया गया है। फिल्म निर्माताओं की ओर से 30 अप्रैल को घोषणा की गई थी कि हरि हर वीर मल्लू का टीजर रिलीज कर दिया जाएगा। पवन के फैंस तभी से उनकी झलक देखने के लिए बेताब हो रहे थे। पिछले दिनों निर्माताओं ने अपने वादे के मुताबिक टीजर जारी कर दिया है। हरि हर वीर मल्लू एक पीरियड एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इसका निर्देशन कृष जगरलामुडी ने किया हैं। खास बात यह है कि इसे दो भाग में रिलीज किया जाएगा।

पवन कल्याण के अलावा निधि अग्रवाल भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। दर्शकों को सबसे ज्यादा दिलचस्पी बॉबी देओल को देखने में थी, क्योंकि वह इस फिल्म में मुगल बादशाह औरंगजेब का किरदार अदा कर रहे हैं। टीजर में उनके किरदार की हल्की सी झलक देखने को भी मिली है, जिसने फैंस की उत्सुकता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। (आरएनएस)

नॉन-स्टिक पैन को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

आजकल कई लोग खाना बनाने के लिए नॉन-स्टिक पैन का इस्तेमाल करते हैं ताकि कम तेल में खाना बन सके। इसके अलावा इससे तेल की चिकनाई को निकालने के लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती है। हालांकि अगर नॉन-स्टिक पैन की अच्छी तरह और सावधानीपूर्वक सफाई न की जाए तो यह जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर नॉन-स्टिक पैन की अच्छे से सफाई की जा सकती है।

क्लोरीन ब्लीच का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने नॉन-स्टिक पैन को अच्छी तरह और सावधानीपूर्वक साफ करना चाहते हैं तो इसके लिए आप क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक बड़ी चम्मच क्लोरीन ब्लीच को एक कप गर्म पानी में अच्छे से मिलाएं और फिर इस मिश्रण से अपने नॉन-स्टिक पैन को साफ करें। यकीन मानिए क्लोरीन ब्लीच की सफाई से आपका पैन पूरी तरह से नए जैसा लगेगा।

बेकिंग सोडा भी करेगा मदद

इस काम में बेकिंग सोडा भी आपकी काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक कटोरे में एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा, एक बड़ी चम्मच नमक और दो बड़ी चम्मच सिरका डालकर उन्हें अच्छे से मिलाएं। अब एक सॉफ्ट ब्रिसल ब्रश की मदद से इस मिश्रण से नॉन-स्टिक पैन को रगड़ें और फिर साफपानी से पैन को धो लें। ऐसा करने से नॉन-स्टिक पैन बेहद आसानी से अच्छी तरह से साफहो जाएगा।

सिरका आएगा काम

आप चाहें तो नॉन-स्टिक पैन की सफाई के लिए सिरके का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए नॉन-स्टिक पैन में आधा कप सिरका, थोड़ा डिटर्जेंट पाउडर और आधा कप पानी डालें और जब पानी उबल जाए तो लकड़ी की चम्मच से इसे चलाएं ताकि सारी चिकनाई हट जाए। अब गैस बंद करके पैन का सारा पानी सिंक में फेंक दें और इसे सामान्य बर्तनों की तरह धो लें। इससे नॉन-स्टिक पैन अच्छे से साफहो जाएगा।

नमक भी है असरदार

नॉन-स्टिक पैन से जिद्दी दागों को साफ करने और चमकाने के लिए नमक का इस्तेमाल करना भी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बड़े कटोरे में पानी लेकर उसमें एक कप सिरका और एक कप नमक अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को गर्म नॉन-स्टिक पैन में डालकर उसे करीब आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद पैन के पानी को सिंक में फेंक दें और इसे सामान्य पानी से धो लें।

ईशा गुप्ता ने देसी आउटफिट में गिराई बिजली

ईशा गुप्ता बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस के दिलों को कैसे चोरी करना है। आए दिन एक्ट्रेस अपनी सेक् और ग्लैमरस तस्वीरें से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। ईशा ने डीप नेक देसी आउटफिट मल्टीकलर घागरा चोली पहनी है। लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं। माथे की बिंदी और नेकलेस उनपर काफी जच रहा है और खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स का पसीना छूटना लाजमी है। बॉलीवुड स्टार ईशा गुप्ता अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता अक्सर ही इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता का बोल्ड अवतार फैंस को भी भाता है। उनकी एक अलग ही फैन फॉलोइंग है। अदाकारा को इंस्टाग्राम पर 18 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। साथ ही ईशा के फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछर कर रहे हैं। ईशा को आखिरी बार प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 में देखा गया था।

गले में गांठ हो गई है तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, मिलेगी राहत

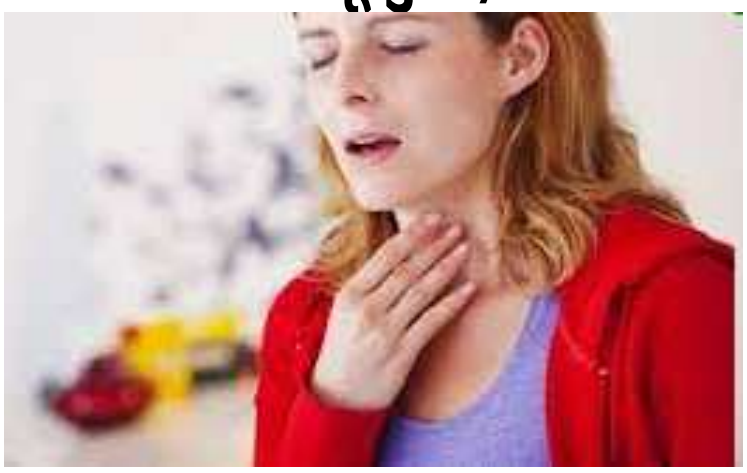

किसी तरह के इंफेक्शन की वजह से गले में गांठ हो सकती है और ये दर्द भी उत्पन्न कर सकती है। इसके लिए अक्सर लोग बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी पेनकिलर खा लेते हैं या फिर इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, हालांकि यही लापरवाही भविष्य में उन्हें भारी पड़ सकती है। आइए आज कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप गले में हुई गांठ से राहत पा सकते हैं।

लहसुन आएगा काम

लहसुन एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों से समृद्ध होता है जो गले की गांठ से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक गिलास पानी में कद्दूकस की हुई लहसुन की एक-दो कलियां और काली मिर्च का एक चुटकी पाउडर उबालें और फिर इस पानी को छानकर पी जाएं। आप चाहें तो गांठ पर एलोवेरा और लहसुन का पेस्ट भी लगा सकते हैं। पेस्ट लगाने के 15 मिनट बाद गले को धो लें।

चारकोल का करें इस्तेमाल

गले की गांठ को दूर करने के लिए एक्टिवेटेड चारकोल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले एक कटोरी में चारकोल पाउडर और अलसी के बीजों के पाउडर की बराबर मात्रा मिलाएं और फिर इसमें थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को गांठ वाली जगह पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद इस जगह को धोकर सुखा लें। दिन में दो-तीन बार इस उपाय को अपनाएं।

तरबूज का रस पीएं

तरबूज का रस पीने से भी गले की गांठ दूर हो सकती है। तरबूज के रस में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जो इंफेक्शन के कीटाणुओं को खत्म कर गांठ से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। राहत के लिए सबसे पहले तरबूज को टुकड़ों में काटें और फिर जूसर मिक्सर से इनका रस निकाल लें। अब इस रस को गिलास में डालकर इसमें सेंधा नमक मिलाएं और फिर इसका सेवन करें।

गले की गांठ की समस्या दूर करने के लिए आप पपीते का पेस्ट भी लगा सकते हैं। पपीते में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो गांठ को ठीक करके गले को आराम पहुंचा सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए पहले पपीते के टुकड़ों को मिक्सी में अच्छे से पीस लें और फिर इसमें थोड़ी सी हल्दी मिलाकर इसे गांठ से प्रभावित जगह पर लगाएं। 15 मिनट के बाद गले को साफकर लें।

वैक्सीन के साइड इफेक्ट

डा० सुमित्रा यादव

हाल ही में कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकारा कि उसकी कोविशील्ड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जिसको लेकर देश में नए सिरे से बहस शुरू हुई। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि घबराएं नहीं, टीके से जुड़ा खतरा दस लाख में से एक व्यक्ति को होता है। वैसे देश के चुनावी माहौल के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के कोलाहल में यह तय कर पाना कठिन हो जाता है कि हवा में तैर रही खबर की तार्किकता क्या है। यह भी कि यह खबर वास्तविक है या राजनीतिक लक्ष्यों के लिये गढ़ी गई है। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते भारत के खिलाफ जो वैश्विक गुटबंदी चल रही है, कहीं आरोप इस कड़ी का हिस्सा तो नहीं है।

वैसे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने के चार से बयालीस दिनों के भीतर टीटीएस प्रभाव हो सकता है, जो ब्लड क्लॉट बना सकता है। जिससे कालांतर प्लेटलेट्स की कमी

शरीर में हो सकती है। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन में एक अदालती सुनवाई के दौरान वैक्सीन के दुर्लभ प्रभावों की बात को माना था। कंपनी के विशेषज्ञों का कहना है कि टीटीएस दिमाग, फेफड़ों, आंत की खून की नली आदि में तो पाया गया लेकिन किसी को हार्ट अटैक की समस्या नहीं हुई। साथ ही यह भी कि कोविड संक्रमण के कारण भी ब्लड क्लॉट के मामले सामने आए हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन से इम्यून सिस्टम में टी व बी सेल गतिशील होने से इम्यून प्रतिक्रिया बढ़ती है, जिसके बाद खून की नली में सूजन से ब्लड क्लॉट बनता है। जिसमें ज्यादा प्लेटलेट्स इस्तेमाल होने लगते हैं। जो कि टीटीएस की स्थिति होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन ने महामारी की घातकता को नब्बे प्रतिशत तक घटाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। वहीं वैक्सीन के साइड इफेक्ट छह माह के भीतर सामने आ जाते हैं, इसके उपयोग को दो साल से अधिक का समय हो चुका है।

उल्लेखनीय है सरकार ने कोरोना संकट के दौरान कोविशील्ड लेने हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया था। अब जब इसके दुष्प्रभावों को लेकर संशय पैदा हुआ है तो उसे अपने संसाधनों का इस्तेमाल करके लोगों की शंकाओं का निवारण भी करना चाहिए। सेहत से जुड़े किसी भी मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी तरह असुरक्षा की भावना बढ़ती है तो सरकार को तुरंत दूर करना चाहिए। नागरिकों की शंकाओं का तुरंत ही समाधान किया जाना चाहिए। पब्लिक डोमेन में कंपनी द्वारा चुनावी बांड खरीदे जाने को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों के मन में कई तरह के सवाल उपजे हैं, जिनका निराकरण भी सरकार का प्राथमिक दायित्व है। हमें यह भी स्वीकारना चाहिए कि संकटकाल में इस वैक्सीन की तुरंत उपलब्धता से देश की बड़ी आबादी को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सका। बेहद कम समय में कोरोना से लड़ने के लिये उपलब्ध कराई गई वैक्सीन के साइड इफेक्ट से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस बात की आशंका भी है कि टीएसएस प्रभाव कोरोना संक्रमण के बाद भी सामने आ सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉकडाउन के कारण लाइफ स्टाइल बिगड़ने से लोगों की गतिशीलता में कमी, मानसिक तनाव वृद्धि से मोटापे व मधुमेह के चलते भी हृदयाघात के मामले बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ हृदयरोग विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी को पहले ही बताना चाहिए कि वैक्सीन से टीटीएस जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जानकारी होने पर लोग अपनी प्राथमिकता की वैक्सीन ले सकते थे। वहीं यह भी तार्किक है कि कोई दवा अथवा वैक्सीन यदि असर करती है तो उसके साइड इफेक्ट भी निश्चित रूप से होते हैं। कुछ विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों के आरोपों के मूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैक्सीन राजनीति को भी बताते हैं। कुछ अमेरिकी विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिये हफ्ते में दो दिन सिर्फ एक बार खाना खाने की सलाह देते हैं, जिससे ब्लड क्लॉटिंग रोकने में मदद मिल सकती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मौत का खतरा कई गुना ज्यादा बढ़ा देती है ज्यादा देर तक बैठे रहना

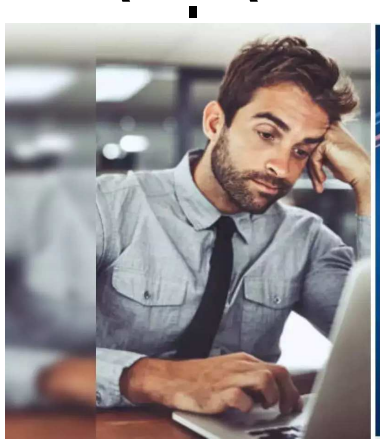

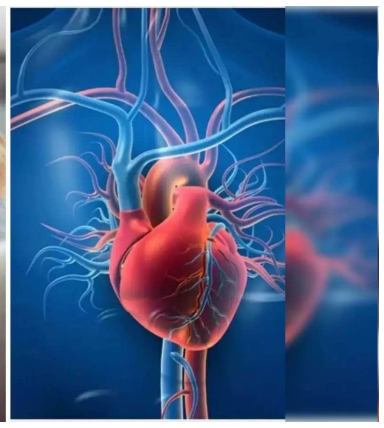

आजकल खराब लाइफस्टाल की वजह से कई तरह की बीमारियां फैल रही है। सबसे ज्यादा खतरा दिल की सेहत को होता है। कई आदतें ओवरऑल हेल्थ के लिए हानिकारक होती हैं। ऐसी ही एक आदत है देर तक बैठना। वैज्ञानिकों ने बताया है कि शराब की तरह ही लंबे समय तक बैठना भी सेहत के लिए खतरनाक है। एक अध्ययन में पाया गया कि ड्राइवर और कंडक्टर या गार्ड की सेहत की तुलना की गई। जिसमें पाया गया कि दोनों का खानपान और लाइफस्टाइल काफी हद तक एक जैसी थी, लेकिन ज्यादा देर तक बैठेने से हार्ट डिजीज का खतरा, खड़े रहने की तुलना में दोगुना पाया गया है। जानिए लंबे समय तक बैठने के साइड इफेक्ट्स।

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऑफिस में ज्यादा देर तक बैठने, घर में ज्यादातर देर तक बेड पर आराम करने या ड्राइविंग से सेहत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है। फिजिकल एक्टिविटीज जितनी ज्यादा कम होती है, सेहत के लिए उतनी ही दिक्कतें बढ़ती हैं। ये उम्र को कम करने के साथ ही डिमेंशिया जैसी दिमागी बीमारी और डायबिटीज का खतरा बढ़ता है। इतना ही नहीं हार्ट की समस्याएं भी बढ़ाती हैं।

ज्यादा देर तक बैठने के नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट्स ने बताया कि लंबे समय तक बैठे रहने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। जिसकी वजह से समय से पहले मौत का खतरा ज्यादा रहता है। अगर बहुत देर तक बैठते हैं और एक्सरसाइज भी करते हैं तो भी इसके खतरे को कम नहीं किया जा सकता है। इस आदत से हार्ट की समस्या, डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारियां बढ़ती हैं, जो उम्र को कम करती है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि ऐसे लोग जो बहुत देर तक बैठे रहते हैं, उनमें दिमागी समस्याएं यहां तक की डिमेंशिया का खतरा काफी ज्यादा रहता है। ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज, स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा रहता है, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स थोड़ी-थोड़ी देर में उठकर घूमने की सलाह देते हैं।

अगर ज्यादातर समय बैठकर टीवी देखने, काम करने या ऑफिस में बैठने में बिताते हैं तो बहुत ज्यादा मोटापा और वजन बढ़ सकता है। इससे डायबिटीज से लेकर हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ता है। ज्यादा देर तक बैठे रहने से न सिर्फ कम कैलोरी बर्न होती है, बल्कि शरीर के इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया करने का तरीका भी बदल जाता है, जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण माना जाता है।

मोजे पहनने से पहले जरूर अपनाएं ये ट्रिक्स, कभी नहीं आएगी पैर से बदबू

मोजों से आने वाली बदबू एक आम समस्या है, यदि आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यहां कुछ आसान ट्रिक्स दी गई हैं, जिन्हें अपनाकर आप मोजों से आने वाली बदबू को दूर कर सकते हैं।

अगर आप चाहते हैं कि आपके मोजे हमेशा ताजगी से भरे रहें, तो उनमें लैवेंडर या टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें डालें। ये ऑयल न सिर्फ अच्छी खुशबू देते हैं, बल्कि उनके एंटीबैक्टीरियल गुण भी मोजों को लंबे समय तक साफ और ताजा रखते हैं।

सही मोजे का चयन करें- सबसे पहले, सही कपड़े के मोजे चुनें। कॉटन या वूल जैसे प्राकृतिक फाइबर से बने मोजे बेहतर

होते हैं क्योंकि ये हवा को अच्छी तरह से प्रवाहित करते हैं और पसीने को सोखने में सहायक होते हैं।

मोजे बदलते रहें- हर रोज़ मोजे बदलना चाहिए। अगर आपके पैर ज्यादा पसीना करते हैं, तो दिन में दो बार मोजे बदलने की भी जरूरत पड़ सकती है।

मोजों को सुखाकर रखें- मोजों को धोने के बाद अच्छे से सुखा लें। नम मोजे पहनने से बदबू आने की सम्भावना बढ़ जाती है।

टैल्कम पाउडर- मोजे पहनने से पहले अपने पैरों को अच्छे से धोएं और सुखाएं। पैरों की साफ-सफाई बहुत जरूरी है, और इसके बाद टैल्कम पाउडर या फुट पाउडर लगाने से पसीना कम होता है।

परफ्यूम का प्रयोग- अगर आपको लगता है कि पैरों के पसीने से बदबू आ सकती है, तो एक आसान उपाय है परफ्यूम का इस्तेमाल। बस अपने मोजों पर थोड़ा सा परफ्यूम छिडक़ दें। इससे मोजे खुशबूदार हो जाएंगे और पसीने की बदबू छिप जाएगी।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 77

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

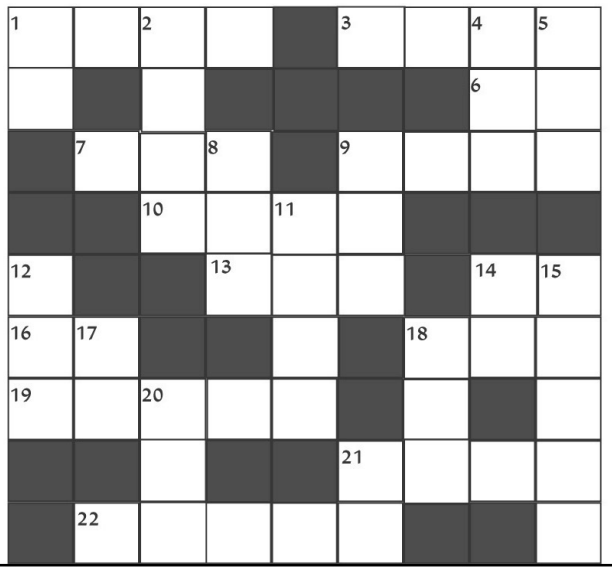

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

एनिमेटेड सीरीज बाहुबली-क्राउन ऑफ ब्लड का ट्रेलर हुआ रिलीज!

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली ने इउंटरनेशनल लेवल पर इतिहास रचा था। इस फिल्म की कहानी को लेकर आज भी दर्शकों में रोमांच कायम है। वहीं पहले भाग की रिलीज के बाद एक इंटरनेशनल सवाल बन गया था कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा ? फिल्म के दूसरे भाग को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब ओटीटी पर बाहुबली अलग अवतार में आने वाली है। एसएस राजामौली की ये फिल्म अब एक एनिमेटेड सीरीज में रिलीज होगी। इसका नाम बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड रखा गया है। शो का ट्रेलर लॉन्च किया गया है। इसे मेकर्स फिल्म का प्रीक्वल बता रहे हैं।

माहिष्मती साम्राज्य पर आधारित ये सीरीज जल्द ही ओटीटी प्लैटफॉर्म हॉटस्टार पर आने वाली है। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। नया एनिमेटेड प्रोजेक्ट फिल्म फ्रेंचाइजी का प्रीक्वल है। एक बयान के अनुसार, बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड, एक ऐसी कहानी है जहां बाहुबली और भल्लालदेव महिष्मति के महान साम्राज्य को बचाने के लिए साथ लड़ते हैं। दोनों भाई अपनी खटास भूलकर रक्तदेव नाम के रहस्यमय सरदार के खिलाफ सिंहासन की रक्षा के लिए हाथ मिलाते हैं। सीरीज देखकर दर्शक एक्साइटमेंट से भर गए हैं।

फिल्म में प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी और तमन्ना भाटिया ने अभिनय किया था। एनिमेटेड सीरीज में भी किरदार हूबहू इनके चेहरे से मिले-जुले बनाए गए हैं। हमें प्रभास और राणा दग्गुबाती की झलक देखने को मिलती है।पावर-पैक एक्शन सीरीज़ 17 मई 2024 से डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है।

बाहुबली- क्राउन ऑफ ब्लड के निर्माता राजामौली ने कहा, बाहुबली की दुनिया बहुत विशाल है, और फिल्म फ्रेंचाइजी इसका सटीक परिचय थी। यह कहानी पहली बार बाहुबली और भल्लालदेव के एक काले रहस्य को उजागर करेगी क्योंकि दोनों भाइयों ने मिलकर माहिष्मती को बचाया था। हम बाहुबली के प्रशंसकों के लिए इस नए अध्याय को पेश करके और इस कहानी को एनिमेटेड प्रारूप में लाकर बेहद खुश हैं। (आरएनएस)

फिल्म कुबेर से नागार्जुन अक्किनेनी की दिलचस्प फर्स्ट लुक जारी

शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुप्रतीक्षित सामाजिक नाटक कुबेर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म में धनुष के किरदार के हालिया खुलासे ने प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है, जिससे इसकी रिलीज की प्रत्याशा बढ़ गई है। अब किंग नागार्जुन अक्किनेनी का आधिकारिक फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसका प्रीमियर आज विशेष रूप से स्टार स्पोर्ट्स पर किया गया।

निर्माताओं ने फिल्म कुबेर से नागार्जुन का पहला लुक जारी किया। वीडियो में अभिनेता साधारण लेकिन आकर्षक लगे। वह हाथ में छाता लिए एक ट्रक के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। पहली झलक में कैश से भरा एक भारी कंटेनर नजर आ रहा है। चूंकि बारिश हो रही है इसलिए नागार्जुन छाता लेकर पहुंचते हैं। जब वह 500 का नोट जमीन पर गिरा हुआ देखते हैं तो वह अपने बटुए से दूसरा नोट निकालते हैं और ट्रक में रख देते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि फिल्म में नागार्जुन एक ईमानदार अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, पहली नजर में उनके किरदार के अन्य विवरण सामने नहीं आए हैं। देवी श्री प्रसाद ने क्लिप के लिए एक शानदार बीजीएम स्कोर किया। कुशल निर्माता शेखर कम्मुला धनुष और नागार्जुन को विपरीत भूमिकाओं में दिखा रहे हैं। जहां फर्स्ट लुक में धनुष एक गरीब लडक़े के गेट-अप में नजर आए, वहीं नागार्जुन अपने फर्स्ट लुक पोस्टर में बेहद क्लासी लगे।

सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा निर्मित फिल्म कुबेर में रश्मिका मंदाना की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण बताई जा रही है। कुबेर एक पैन इंडिया फिल्म है जिसमें धनुष, नागार्जुन अक्किनेनी, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है।(आरएनएस)

रणवीर सिंह के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट, साउथ इंडस्ट्री के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा संग करेंगे राक्षस

रणवीर सिंह के पास कुछ फिल्में हैं और वह इन दिनों अधिक फिल्में साइन कर रहें हैं और अधिक स्क्रिप्ट सुन रहें हैं। अपने नए प्रोजेक्ट्स के अलावा रणवीर, दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी की खबरों और अपने वायरल डीपफेक वीडियो को लेकर भी सुर्खियों में हैं। बता दें कि ये बॉलीवुड कपल अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहें हैं। जबकि रणवीर अपने ब्रांड शूट और अन्य कार्यों में बिजी हैं। अब एक फेमस साउथ इंडस्ट्री फिल्म डायरेक्टर के साथ राक्षस नामक एक नई फिल्म साइन करने की खबर सामने आई है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रणवीर सिंह भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित एक फिल्म के लिए हनुमैन फेम प्रशांत वर्मा के साथ बातचीत कर रहें हैं। फ़िल्म पर चर्चा तब चल रही थी जब वह नए प्रोजेक्ट, राक्षस पर काम शुरू करने के लिए लोकप्रिय स्टूडियोज़ को लाने की कोशिश कर रहे थे। नई रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें पुष्पा, पुष्पा 2, उप्पेना, सरकारू वारी पाटा, कुशी और कई अन्य फिल्मों के लिए फेमस माइथ्री मूवी मेकर्स से समर्थन मिला है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म राक्षस प्रशांत सिनेमाई ब्रह्मांड से संबंधित है। निर्देशक कई पात्रों को पेश करने और उन सभी को एक अंतिम फिल्म में एक साथ लाने की योजना बना रहें हैं। बताया गया कि राक्षस की स्क्रिप्टिंग और विज़ुअलाइज़ेशन पहले ही पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि रणवीर और प्रशांत ने हनुमान जयंती के अवसर पर राक्षसों के लिए पूजा भी की थी।

रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने घोषणा की कि रणवीर कियारा आडवाणी के साथ डॉन 3 के लिए शाहरुख खान की जगह लेंगे। हाल ही में खबरें सामने आई कि फरहान ने इस फिल्म को कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो उनके पास एस शंकर की एक फिल्म है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह अन्नियन की रीमेक है। माना जाता है कि वह शक्तिमान पर एक फिल्म के लिए बातचीत कर रहें हैं। उनकी अगली फिल्म रोहित शेट्टी के साथ सिंघम अगेन है। (आरएनएस)

मेरा जुनून पोएटिक म्यूजिक वीडियो बनाना: नेहा भसीन

सिंगर नेहा भसीन ने अपने लेटेस्ट सॉन्ग फुरकत के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि पोएटिक म्यूजिक वीडियो (काव्यात्मक संगीत वीडियो) बनाना मेरा जुनून है।

उन्होंने कहा कि उन्हें संगीत बनाना काफी पसंद है, और पोएटिक म्यूजिक वीडियो बनाना उनका जुनून है।

नेहा ने कहा, मुझे म्यूजिक बनाना बेहद पसंद है और आइकोनिक और लुभावने म्यूजिक वीडियो बनाना मेरा जुनून है। मेरे लिए म्यूजिक विजुअल भी है।

फुरकत की शूटिंग महाराष्ट्र में वाई के खूबसूरत जगहों पर की गई है। जूनो द्वारा लिखे गए लिरिक्स अलगाव और एकतरफा प्यार की थीम को एक्सप्लोर करते हैं।

गाने में लोकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें बंजर पहाड़ तनहाई और तबाही की भावनाओं को चित्रित करते हैं। धूप से चमकती झील और बड़े लैंडस्केप दिल के दर्द को बयां करते हैं। इसमें नेहा अपने ट्रेडमार्क हाई-फैशन आउटफिट्स से गाने का भाव व्यक्त करती हैं।

सिंगर ने कहा, समीर उद्दीन के निर्देशन में परफॉर्म करना एक शानदार अनुभव था। मेरे लिए, फैशन आर्ट है, और फुरकत की शानदार कम्पोजिशन है, और अब सारी मेहनत रंग ला रही है।

नेहा के अलावा, गाने में इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 2 की विजेता युवा प्रतिभा सौम्या कांबले बेली डांस करती नजर आएंगी।

कांबले के बारे में बात करते हुए, नेहा ने कहा, फैंस खुश हैं, और सौम्या जैसी युवा प्रतिभा को प्रदर्शित करना सौभाग्य की बात है। (आरएनएस)

अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू की

अक्षय कुमार बैक टू बैक फ्लॉप फिल्मों दे रहे हैं। पिछले तीन सालों में ओएमजी 2 को छोड़ दे तो उन्होंने कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं दी है। हाल ही में अक्षय कुमार बड़े मियां, छोटी मियां में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत अच्छी की। लेकिन एक हफ्ते बाद की यह फ्लॉप हो गई। इससे पहले अक्षय कुमार मिशन रानीगंज लेकर आए थे। यह फिल्म भी बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई। लगातार फ्लॉप फिल्मों के बीच अब अक्षय कुमार ने अपनी एक और फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उनकी यह फिल्म सात पहले आई फिल्म का रीमेक है।

दरअसल अक्षय कुमार ने जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2013 में आई थी। जिसमें अरशद वारसी मुख्य भूमिका में थे। जिसका निर्देशन सुभाष कपूर ने किया था। इस फिल्म की शानदार सफलता के बाद सुभाष कपूर साल 2017 में अक्षय कुमार के साथ जॉली एलएलबी 2 लेकर आए। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस बेहतरीन कमाई की थी। दोनों फिल्मों की सफलता के बाद अब जॉली एलएलबी 3 लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दिया गया है।

जॉली एलएलबी 3 में इस बार अक्षय कुमार के साथ अरशद वारसी भी नजर आने वाले हैं। एक्टर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों जॉली एलएलबी के रोल में दिख रहे हैं। वहीं जज के रोल में नजर आ रहे हैं सौरभ शुक्ला बता रहे हैं कि जॉली एलएलबी 3 की शूटिंग शुरू हो गई है। हालांकि यह फिल्म कब रिलीज होगी इसका अभी घोषणा नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला का यह वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

रोजगार सृजन की गति भी बढ़नी चाहिए

अजीत रानाडे

कुछ दिन पहले जेनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और दिल्ली स्थित इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट ने संयुक्त रूप से 'इंडिया एमंप्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' प्रकाशित किया है। तीन सौ पन्नों की यह सारगर्भित रिपोर्ट भारत में श्रम एवं रोजगार के संबंध में इन दोनों संस्थानों द्वारा प्रकाशित तीसरी बड़ी रिपोर्ट है। इन संस्थाओं ने 2014 में श्रम एवं वैश्वीकरण तथा 2016 में विनिर्माण में रोजगार नीत वृद्धि पर रिपोर्ट का प्रकाशन किया था। हालिया रिपोर्ट में 2000 के बाद की दो दशक से अधिक की अवधि के आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया है, जिनमें से अधिकांश सरकारी स्रोतों से लिए गये हैं। साल 2018 से पहले आंकड़ों का मुख्य स्रोत रोजगार की स्थिति पर होने वाला पंचवर्षीय सर्वेक्षण था। उसके बाद तीन माह पर आने वाला श्रम बल सर्वेक्षण स्रोत बन गया। ये आंकड़े सभी शोध करने वालों को उपलब्ध हैं और वर्तमान रिपोर्ट में इनका गहन विश्लेषण किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों पर चर्चा से पहले परिभाषाओं को याद रखना महत्वपूर्ण है। श्रम बल भागीदारी दर का अर्थ कामकाजी आबादी (15 साल से अधिक आयु के लोग) के वे लोग हैं, जो कार्यरत हैं या काम की तलाश में हैं। उल्लेखनीय है कि भारत की आबादी की वृद्धि दर घटकर हर साल 0।8 प्रतिशत हो गयी है, पर श्रम बल अभी भी सालाना दो प्रतिशत से अधिक दर से बढ़ रहा है। पहले इस वृद्धि से हम देखते हैं कि बीते दो दशकों में श्रम बल भागीदारी दर की स्थिति क्या रही है। कामगार भागीदारी अनुपात कामकाजी आयु के उन लोगों का अनुपात है, जो कार्यरत हैं। शेष बेरोजगार हैं और इसलिए बेरोजगारी दर श्रम बल का वह हिस्सा है, जिसके पास काम नहीं है और वह काम की तलाश में है।

निष्कर्षों में इस दीर्घकालिक रुझान को रेखांकित किया गया है कि 2019 तक भागीदारी दर, भागीदारी अनुपात और बेरोजगारी दर उलटी दिशा में अग्रसर थे। भागीदारी दर गिर रही थी और बेरोजगारी दर बढ़ रही थी। यह निराशाजनक है क्योंकि इसका मतलब है कि बढ़ती अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन नहीं कर रही है। साल 2000-12 के बीच अर्थव्यवस्था हर साल 6।2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, पर नौकरियां मात्र 1।6 प्रतिशत की दर से ही बढ़ीं। साल 2012-19 के बीच तो स्थिति और खराब हो गयी, जब औसत आर्थिक वृद्धि दर 6।7 प्रतिशत थी, पर रोजगार वृद्धि दर केवल 0।1 प्रतिशत रही। यह %जॉबलेस ग्रोथ% का ठोस मामला है। इसका अर्थ यह है कि प्रति कामगार आर्थिक उत्पादकता बढ़ रही है, जिससे अतिरिक्त कामगार की जरूरत नहीं रह जाती। इसका यह भी मतलब है कि आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार पूंजी है और प्रति कामगार अधिक मशीनों का उपयोग हो रहा है। यह सबसे अधिक विनिर्माण क्षेत्र में है। इस क्षेत्र में 2000-19 की अवधि में रोजगार वृद्धि मात्र 1।7 प्रतिशत सालाना रही, जबकि उत्पादन में 7।5 फीसदी बढ़ोतरी हुई। सेवा क्षेत्र में रोजगार वृद्धि लगभग तीन प्रतिशत रही। इस अवधि में कंस्ट्रक्शन के काम में अच्छी बढ़त हुई।

वृद्धि प्रक्रिया से अपेक्षा रहती है कि वह कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त श्रम को विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में लाये। इसे अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन कहा जाता है। इसमें बढ़ता निर्यात भी सहयोगी हो सकता है। जीडीपी में 1984 में वस्तुओं और सेवा के निर्यात का हिस्सा केवल 6।3 प्रतिशत था, जो 2022 में 22 प्रतिशत हो गया। वैश्विक बाजार में अवसर बढ़ने से भारत में रोजगार बढ़ना चाहिए था, अगर श्रम आधारित निर्यात पर ध्यान दिया जाता। निर्यात आधारित वृद्धि को पूर्वी एशिया के अधिकांश देशों में देख सकते हैं, जहां पांच दशक पहले यह जापान में शुरू हुई और वियतनाम जैसे देशों में अभी भी चल रही है। भारत ने वह अवसर खो दिया, पहले निर्यात को लेकर निराशावाद रहा और बाद में वैश्विक मूल्य शृंखला में शामिल होने से हिचक रही। यह स्थिति बदल सकती है। लेकिन अब नयी चुनौतियां हैं, जैसे भू-राजनीतिक कारणों से व्यापार बाधाओं का बढ़ना तथा ऑटोमेशन के चलते नौकरियों पर संकट।

विनिर्माण में दो दशकों से रोजगार कुल श्रम बल के 12-14 प्रतिशत पर अटका हुआ है। इसके कई कारण हैं, जिनमें एक यह है कि इस क्षेत्र में पूंजी की सघनता को लेकर झुकाव है। लेकिन एक बड़ी समस्या है कौशल का अभाव। शिक्षा क्षेत्र उम्मीद पर खरा नहीं उतर रहा है क्योंकि जो छात्र स्कूल-कॉलेज से निकल रहे हैं, वे रोजगार योग्य नहीं हैं। इसलिए अचरज की बात नहीं है कि बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हैं। युवाओं में, 34 साल से कम आयु के, बेरोजगारी 83 प्रतिशत के स्तर पर है। इस आयु के बाद नौकरी पाने की संभावना नाटकीय ढंग से बढ़ जाती है, भले ही वेतन अच्छा न हो। आबादी में युवाओं का हिस्सा 27 प्रतिशत है और आयु बढ़ने के साथ यह संख्या 2036 तक 23 प्रतिशत रह जायेगी। चूंकि कॉलेजों में नामांकन दर बढ़ रही है, तो वे युवा श्रम बल का हिस्सा नहीं होंगे, जिसके कारण श्रम बल में भागीदारी दर कम हो सकती है।

लेकिन युवा बेरोजगारी एक कठिन चुनौती बनी हुई है। यह दो दशकों में 5।7 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 17।5 प्रतिशत हो गयी और 2022 में घटकर 12।1 प्रतिशत हो गयी। इस समस्या का सीधा संबंध शिक्षा से है। साल 2022 में लिख या पढ़ नहीं पाने वाले युवाओं में बेरोजगारी दर 3।4, माध्यमिक या उससे अधिक शिक्षा पाये युवाओं में 18।4 और स्नातकों में 29।1 प्रतिशत थी। यह देश में अब तक की सबसे अधिक शिक्षित युवा बेरोजगारी है। विभिन्न कारकों में मुख्य कारक है कि कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण का अभाव। यह हमारे शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण के संस्थानों की असफलता है।

यह समय है कि अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों को तीव्रता से आगे बढ़ाया जाए, जो देश में कहीं भी उपलब्ध कराये जा सकते हैं। इस कार्यक्रम में ऐसे प्रशिक्षण का अवसर देने वालों पर कामगार को स्थायी काम देने के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिए। इस रिपोर्ट में उपयोगी विश्लेषण के साथ-साथ नीति-निर्धारकों के लिए सुझाव भी दिये गये हैं। नीति को लेकर मुख्य सुझाव है कि न केवल निर्यात या उत्पादन के मूल्य के आधार पर, बल्कि अधिक रोजगार पैदा करने वाले निवेशों को भी प्रोत्साहन दिया जाए। साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत रोजगार क्षमता, कौशल विकास, रोजगारदाताओं के साथ सहभागिता तथा अनुभवजन्य शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अगला दशक भारत के मानवीय पूंजी को बढ़ाने में निवेश करने का दशक होना चाहिए।

(कुलपति केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश)

सू- दोकू क्र. 77

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 76 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

बीमारी का विस्तार, बदलती जीवन शैली में समय पर सजगता जरूरी

डा मनोज सिंघल

देश में कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, खाद्य पदार्थों में विषाक्तता आदि के चलते बीमारियों का विस्तार हो रहा है। नई-नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। कैंसर भी इन्हीं स्थितियों के चलते लगातार अपने पांव पसार रहा है। हालांकि अब इस समस्या से पार पाने के लिए चिकित्सा विज्ञान ने कई आसान और कारगर उपाय तलाश लिए हैं, इसकी दवाओं की उपलब्धता बढ़ी है। मगर यह अब एक आम बीमारी बन गया है। 'लैंसेट' के ताजा अध्ययन में बताया गया है कि अगले पंद्रह-सोलह वर्षों तक हर वर्ष केवल स्तन कैंसर से दस लाख मौतें हो सकती हैं। स्तन कैंसर अब एक आम बीमारी बन चुका है।

महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया घातक

स्वाभाविक ही इसे लेकर दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। बेशक इस रोग से पार पाना आसान हो गया है, पर असल समस्या हर किसी तक इसके इलाज की पहुंच संभव न हो पाना है। भारत जैसे समाजों में गरीबी, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता कम होने तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच भेदभावपूर्ण नजरिया व्याप्त होने की वजह से इस समस्या पर काबू पाना और कठिन हो जाता है।

अपने स्वास्थ्य के प्रति महिलाएं जागरूक नहीं रहती हैं भारतीय समाज में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी देखभाल में मुश्किलें इसलिए भी आती हैं कि महिलाएं खुद इसे लेकर बहुत सजग नहीं होती हैं। शहरी इलाकों में जरूर महिला स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता देखी जाती है, मगर ग्रामीण और समाज के निचले कहे जाने वाले तबकों में इसका घोर अभाव नजर आता है। फिर, कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। इसलिए बहुत सारी महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान नहीं हो पाती और जिनकी हो भी पाती है, उसमें बहुत देर हो चुकी होती है और उनके लिए इलाज कराना कठिन होता है। 'लैंसेट' के अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि इसके लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को किसी न किसी रूप में संचार कौशल प्रशिक्षण देने की पहल करनी और रोगियों से संपर्क बनाना चाहिए। इस बीमारी को रोकने में सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी हैं, जिनमें परिवार, समुदाय और चिकित्सा पेशेवरों का परस्पर जुड़ाव हो।

जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी

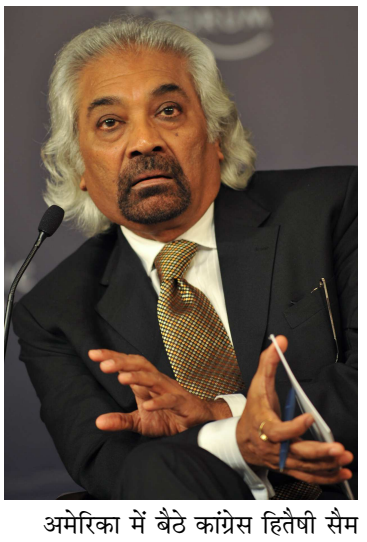

अमेरिका में बैठे कांग्रेस हितैषी सैम पित्रोदा (सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा) ने सुदूर भारत की उनींदे से चुनाव प्रचार में करंट पैदा कर दिया है। उन्होंने अमेरिकी विरासत-कर प्रणाली की सराहना करते हुए भारत में इसकी संभावना पर विचार करने को कहा है।

इस एक मशविरा ने भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस पर हमले के लिए दोनों हाथों में मुद्दा दे दिया है-एक ब्रह्मास्त्र थमा दिया है। वे इसे पुरखों की गाढ़ी कमाई से खड़ी की गई संपत्ति-परिसंपत्ति पर 'पंजा' मारने की लुटेरी नीयत मान रहे हैं। उसका 'लूट प्लान जिंदगी के साथ भी जिंदगी के बाद भी' जारी रहने वाला है यानी माता-पिता के जीवित रहते कर लेंगे और उनके बाद वारिसों से भी। वे खुल्लमखुल्ला इशारा कर रहे हैं कि कांग्रेस उनकी संपत्ति छीन कर किसी को (मुसलमानों को?) दे देगी। धन-संपदा मनुष्य की एक स्थायी नैसर्गिक कामना है। इसे हथियाने की बात होगी तो लोग-बाग कांग्रेस से बिदकेंगे ही।

पित्रोदा के सहसा सीन में आने के दो दिन पहले तक मोदी कांग्रेस के मैनिफेस्टो में संपत्ति के सर्वेक्षण पर समझा रहे थे कि कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति छीन कर 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'घुसपैठिए' को दे देगी-महिलाओं से उनके मंगलसूत्र तक छीन लेगी। जबकि कांग्रेस का एजेंडा एक दशक में बढ़ी आय-असमानता की वजहों की जांच का है। पर मैनिफेस्टो से मोदी के जबरदस्ती निकाले जिन ने लोगों को डराना शुरू कर दिया।

तब भी मोदी इन हथियारों की मारकता शेष चुनाव तक बने रहने पर आस्त नहीं थे। वे कांग्रेस और उसके गठबंधन के दुष्प्रचार के आगे डिफेंसिव थे। जो कह रहे थे कि 'मोदी अबकी सत्ता में आए तो न आगे चुनाव होगा, न संविधान बचेगा और न आरक्षण रहेगा।' लेकिन पित्रोदा की गलत टाइमिंग ने मोदी का समय सही कर दिया। वे फ्रंट पर हैं और विपक्ष बैकफुट पर। हालांकि कांग्रेस ने सैम की राय को निजी बता कर पल्ला झाड़ लिया है। पर नुकसान की भरपाई मुश्किल है। अमेरिका में कुल विरासती संपत्ति के मूल्य का 55 फीसद हिस्सा सरकार ले लेती है। शेष 45 फीसद पर ही भावी पीढ़ी का हक होता है। यह विश्व के दर्जनों देश में लागू है। भारत में राजीव गांधी सरकार ने वित्तमंत्री वीपी सिंह के सुझाव पर इसे अनुत्पादक मानते हुए निरस्त कर दिया था। पर इस गए विचार ने भारतीय चुनाव में एक नया हलचल पैदा कर दिया है।(आरएनएस)

नशीले कैप्सूलों के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशीले कैप्सूलों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने मुर्गी फार्म हरिद्वार रोड पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में नशे के कैप्सूल बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद कुमार वर्मा पुत्र मलखान सिंह निवासी हनुमान मंदिर कालोनी ऋषिकेश बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पडोसियों में झगडा दोनों के मुकदमें दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दो पडोसियों में झगडा होने पर पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी नरेन्द्र सिंह ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले संजीव चौहान ने उसकी पत्नी अनीता सज्वाण पर लोहे की राड से हमला कर उसका हाथ फ्रैक्चर कर दिया। वहीं दूसरी तरफ से संजीव चौहान ने नरेन्द्र सिंह व उसकी पत्नी अनीता सज्वाण के खिलाफ घर में घुसकर गाली गलौच कर मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों के मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गूगल में टास्क के नाम पर ठगे 68 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। गूगल में टास्क के नाम पर 68 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी साक्षी सिंह ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके व्हटसएप नम्बर पर एक मैसेज आया जो एक लडकी ने किया जिसने अपना नाम अमीरा शेखर बताया। उसने अपने आपको गूगल कम्पनी की प्रमोशन डिपार्टमेंट का एचआर बताया। उसने उसको एक काम के लिए ऑफर किया उसको रेस्टोरेंट में रिवाइस देने का काम किया उसके बाद उसने उसको टास्क दिया गया। शुरू में उसको कुछ रूपये मिले उसके बाद उसको टास्क देने के नाम पर उससे समय-समय पर रूपयों की मांग करते हुए उससे टास्क के नाम पर 68 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चौथे चरण में भी मतदाता उदासीन...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उसी की बनेगी लेकिन यकीनी तौर पर यह कोई नहीं कह सकता कि 2024 में सत्ता किसे मिलेगी? इसके लिए 4 जून का इंतजार सभी को करना ही होगा। 2014 व 2019 की तरह इस बार यह साफ नहीं है कि दिल्ली पर किसका कब्जा होगा यही कारण है कि बाकी बचे तीन चरण और 163 सीटों के चुनाव में बढ़त के लिए सभी दल अपनी पूरी ताकत झोंकें हुए हैं।

सचिव गृह उत्तराखण्ड ने यात्रा व्यवस्थाओं ...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

व यात्रियों की समस्या से सम्बन्धित कॉल्स आते हैं। डीसीसी एवं डायल 112 का सैटअप भी कन्ट्रोल रूम में होने के बारे मे बताया गया। पुलिस बल के व्यवस्थापन की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद को 3 सुपर जोन, 8 जोन व 26 सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जनपद में 4 राजपत्रित अधिकारी यात्रा ड्यूटी पर लगे हैं व जनपद के सम्पूर्ण पुलिस बल के व्यवस्थापन की जानकारी दी गयी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस बार की यात्रा में ड्रोन से भी मॉनीटरिंग की जा रही है।

आपात स्थिति एवं आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी बिन्दु पर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जनपद में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला आपदा प्रबन्धन, फायर सर्विस का व्यवस्थापन है व आपसी समन्वय से कार्य किया जाता है। बताया गया कि आईजी गढ़वाल व पुलिस अधीक्षक के स्तर से पुलिस बल की ब्रीफिंग कर उनको ड्यूटी प्वाइन्टों पर भेजा गया है। बाहरी जनपदों से ड्यूटी पर आये पुलिस कार्मिकों हेतु मार्गदर्शिका व यात्रियों के लिए ब्रॉशर दिये जाने के बारे मे बताया। सचिव गृह ने केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम बनाये जाने हेतु उचित उपाय, भीड़ नियंत्रण व प्रभावी यातायात व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गये। तत्पश्चात गृह सचिव ने जिलाधिकारी कार्यालय सभागार में यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गयी।

श्री बद्रीनाथ धाम में उमड़ा दर्शनार्थियों का जन सैलाब

हमारे संवाददाता

चमोली। श्री बद्रीनाथ धाम के कपाटोद्घाटन के शुभ अवसर पर देश-विदेश से हजारों की संख्या में दर्शनार्थी श्री बद्रीनाथ धाम में पहुंच गए हैं।

दर्शनार्थियों की सुगम एवं सुरक्षित

पुलिस अधीक्षक ने संभाली व्यवस्थापन की कमान

यात्रा हेतु जहाँ एक ओर पुलिस अधीक्षक चमोली, सर्वेश पंवार द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से सम्पूर्ण बद्रीनाथ धाम का निरीक्षण कर यात्रा ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल के साथ स्वयं ड्यूटी पर खड़े रहकर भीड़ प्रबंधन की सम्पूर्ण कमान संभालते हुए दर्शनार्थियों को कतारबद्ध कराया गया साथ ही दर्शनार्थियों से संयम बनाये रखने

की अपील की गयी वहीं दूसरी ओर चमोली पुलिस कर्तव्य निर्वहन के साथ-साथ मानवता की मिसाल पेश करते हुए जरुरतमंदों, बुजुर्गों एवं बच्चों का सहारा बन श्री हरि दर्शन में मदद कर रही है।

ट्रक से डीजल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने ट्रक से डीजल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुर कालसी निवासी मौहम्मद इकबाल ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपना ट्रक प्राथमिक विद्यालय के पास खडा किया था। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि किसी ने उसके ट्रक से 20 लीटर डीजल चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

122 मरीजों की हुई निशुल्क जांच

चम्पावत (आरएनएस)। टनकपुर पावर स्टेशन बनबसा में एकदिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली से आए विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. विभु बहल, डॉ. वरुण वंसल, डॉ. ईसान गुप्ता, डॉ. मोहमद इरतजा व उनकी सहायक टीम के सदस्य ने मरीजों की निशुल्क जांच की। शिविर का शुभारंभ पावर स्टेशन महाप्रबंधक राजिल व्यास, संगीता व्यास ने दीप प्रज्वलित करके किया। महाप्रबंधक व्यास ने बताया कि शिविर में कुल 122 मरीजों की निशुल्क जांच की गई। उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम एवं उनके स्टाफ के सदस्यों का आभार जताया।

ऑपरेशन स्माइल ने लौटाई खोयी बच्ची के चेहरे की मुस्कान

हमारे संवाददाता

चम्पावत। टनकपुर रेलवे स्टेशन पर खो गयी एक बच्ची को आप्रेशन स्माइल टीम जीआरपी द्वारा खोज कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया है। जिससे बच्ची के साथ ही उसके परिजनों के चेहरों में मुस्कान खिल उठी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज आप्रेशन स्माइल जीआरपी के कांस्टेबल नसीम खान टनकपुर रेलवे स्टेशन में तैनात थे। इस दौरान पीलीभीत निवासी एक महिला द्वारा जीआरपी चौकी में पहुंच कर बताया गया कि मेरी बेटी उम्र-10 वर्ष रेलवे स्टेशन टनकपुर के आसपास कहीं खो गयी है। तत्पश्चात उच्च अधिकारियों के आदेश निर्देशानुसार ऑपरेशन स्माइल टीम मे नियुक्त कांस्टेबल नसीम खान द्वारा तत्परता दिखाते हुए काफी प्रयास कर एक बच्ची जो लवारिस हालत मे रोते हुए घूम रही थी। उक्त बच्ची को बरामद कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्दगी मे दिया गया है। अपनी बच्ची को सुरक्षित पाकर परिजन बहुत खुश हुए और ऑपरेशन स्माईल टीम जी. आर.पी उत्तराखंड हरिद्वार का बहुत -बहुत आभार प्रकट किया।

चरस व स्कूटी सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 250 ग्राम चरस व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लक्ष्मणझूला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को स्कूटी सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह स्कूटी मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 250 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने

अपना नाम कमल पुत्र सुरेंद्र, निवासी गंगा नहर ऋषिकेश देहरादून बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

पीएम मोदी ने पटना साहिब में टेका मत्था, गुरुद्वारे में लोगों को लंगर भी परोसा

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज यानी 13 अप्रैल को सुबह-सुबह बिहार के पटना स्थित गुरुद्वारा तख्त श्री पटना साहिब जी पहुंचे। पीएम मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के जन्मस्थान दरबार साहिब में मत्था टेका। साथ ही पीएम अरदास में शामिल हुए और वहां लाइव कीर्तन भी सुना। पीएम ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा इस्तेमाल किए गए 'शस्त्रों' (हथियारों) के भी दर्शन किए। इस मौके पर पीएम मोदी ने भगवे रंग की पगड़ी पहनी हुई थी। पीएम मोदी ने लंगर रसोई (सामुदायिक रसोई) का भी दौरा किया और दाल और रोटी बनाई। जिसके बाद

पीएम मोदी ने गुरुद्वारे में मौजूद लोगों को लंगर भी परोसा। पीएम ने कराह प्रसाद लिया, जिसका भुगतान उन्होंने डिजिटल भुगतान मोड के माध्यम से किया। इस मौके पर गुरुद्वारा समिति ने पीएम मोदी के सम्मान पत्र से नवाजा। साथ ही सिख बीबीयों ने माता गुजरी जी का चित्र भी पीएम को तोहफे में दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा आज सुबह तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में प्रार्थना की। इस पवित्र स्थान की दिव्यता, शांति और समृद्ध इतिहास का अनुभव करके धन्य महसूस हुआ। इस गुरुद्वारे का श्री गुरु गोबिंद सिंह जी से गहरा संबंध है। हमारी सरकार को उनके 350वें प्रकाश उत्सव को भव्य तरीके से मनाने का सम्मान मिला। पीएम ने आगे कहा कि सिख गुरुओं की शिक्षाएं हम सभी को प्रेरित और मार्गदर्शन करती रहें।

सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के सीएम बने रहने के खिलाफ याचिका सुनने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को एक और बड़ी राहत मिली। अरविंद केजरीवाल के दिल्ली का मुख्यमंत्री बने रहने के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनावाई करने से इनकार करते हुए कहा हम ऐसा नहीं कर सकते। बता दें कि दिल्ली के शराब नीति घोटाला केस में अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को अरेस्ट किया था। कोर्ट द्वारा

न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद से केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद थे लेकिन उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया था। आज सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की सीएम पद से हटाए जाने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार किया उसमें याचिकाकर्ता ने कहा था मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते पद नहीं छोड़ रहे हैं। याचिकाकर्ता ने इसके साथ दावा किया कि केजरीलवाल के जेल में रहने के कारण सीएम पद के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। गौरतलब है कि इस याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह देखना एलजी के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट किसी को पद से हटाने का आदेश नहीं दे सकता है।

मतदान के दौरान विधायक और मतदाता के बीच हुई जमकर मारपीट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत सोमवार को देशभर के 10 राज्यों की 96 सीटों पर वोटिंग हो रही है। इस बीच आंध्र प्रदेश के एक मतदान केंद्र से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक की दबंगई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि तेनाली से

विधायक ए। शिवकुमार वोट डालने के लिए कतार में खड़े एक शख्स के पास पहुंचते हैं। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद होता है। इसके बाद विधायक वोटर को थप्पड़ मार देते हैं। इसके बाद वह शख्स भी तुरंत विधायक को थप्पड़ जड़ देता है। इस बीच विधायक शिवकुमार के समर्थक उस शख्स पर हमला कर उससे मारपीट करनी शुरू कर देते हैं। इस दस सेकंड के वीडियो में कोई भी सुरक्षाकर्मी शख्स को बचाने या बीच-बचाव करने नहीं पहुंचा। इस मामले में पुलिस ने विधायक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो मतदाता कहते हैं कि वाईसीपी के उपद्रवियों और गुंडागर्दी से डरने की बात नहीं है। मैं उनके साहस के लिए उन्हें सलाम करता हूं। बता दें कि आंध्र प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर आज वोटिंग हो रही है।

अंतर्राज्यीय जेबकतरा गिरोह का भंडाफोड़, 4 जेबकतरे गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी क्षेत्र में हो रही पाकेटमारी की वारदातों का खुलासा करते हुए पुलिस ने अंतर्राज्यीय जेबकतरा गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से आठ हजार की नगदी व जेबतराशी कर निकाला गया बटुआ तथा अन्य सामान बरामद किया गया है। आरोपी पहले यूपी में वारदातों को अंजाम दे चुके है अब उन्होने उत्तराखण्ड का रूख किया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज मुकेश कुमार सक्सेना पुत्र मुन्ना लाल निवासी आदर्शनगर तल्ली बमौरी हल्द्वानी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि वह मुरादाबाद से हल्द्वानी बस से आये थे, कालूशाही मन्दिर के पास बस से उतरते समय किसी अज्ञात चोर ने उनकी जेब काटकर पर्स चोरी कर लिया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जेबकतरों की तलाश शुरू कर दी गयी। जेबकतरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा जब घटनास्थल के पास के सीसी कैमरों को देखा गया तो चार संदिग्ध दिखायी दिये। जिन्हे पुलिस टीम द्वारा एक सूचना के बाद एफटीआई बाइपास के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से चोरी किया गया पर्स, 8 हजार की नगदी, आधार कार्ड , पैन कार्ड तथा अन्य सामान बरामद किया गया है।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम अरशद पुत्र जमील अहमद निवासी मोहल्ला कल्याण सिंह निवासी अटौडा रोड थाना मवाना मेरठ, फैजल अहमद पुत्र मुन्ना निवासी साउथ खालापार निकट मदीना मस्जिद दरोगा कोठी थाना खालापार मुजफ्फरनगर, अरशद पुत्र बाबू निवासी मोहल्ला कल्याण सिंह अटौडा रोड थाना मवाना मेरठ व शकील पुत्र रहीस अहमद निवासी मुमताज नगर गुलईस्ता गार्डन गली नम्बर 5 थाना लीसाड़ी गेट जिला मेरठ बताया। बताया कि उनके द्वारा पूर्व में मेरठ-मुज्जफरनगर के आस-पास बसों में व भीड-भाड़ वाले स्थानों पर पॉकेटमारी की घटनाओं को अन्जाम दिया जाता था, इसके बाद उन्होने उत्तराखण्ड का रूख किया। बताया कि वह घटना से पूर्व रूद्रपुर आदि क्षेत्र में रूकते हैं तथा वहाँ से पहाड को आने वाली बसों में यात्री बनकर अलग- अलग सीटों पर बैठ जाते हैं इसके बाद बस में किसी यात्री को चिन्हित कर यात्री के बस से उतरने पर चारों आरोपी उसके आगे पीछे खड़े होकर उसको उलझा देते हैं इस दौरान गिरोह का मुखिया अरशद पुत्र जमील अहमद यात्री की जेब से पर्स पार कर लेता है और उसके बाद जेब कतरी से मिले रूपयों का आपस में बंटवारा कर लिया जाता है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आयुक्त ने ट्रांजिस्ट कैंप परिसर का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। आयुक्त गढवाल मंडल विनय शंकर पांडे ने ट्रांजिस्ट कैंप परिसर का औचक निरीक्षण कर यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

आज यहां आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडे ने ट्रांजिस्ट कैंप परिसर ऋषिकेश का औचक निरीक्षण करते हुए यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आयुक्त गढ़वाल मंडल ने संबंधित अधिकारियों के साथ उपलब्ध यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को चारधाम यात्रा को सुगम सुविधा बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों हेतु मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की ढिलाई ना हो इस बात का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा हेतु आए प्रत्येक यात्री को सुगम एवं सुरक्षित यात्रा करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है जिसके लिए सरकार एवं प्रशासन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा हेतु ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही पंजीकरण व्यवस्थाएं प्रचलित है। चारों धामों में क्षमता के अनुरूप यात्री भेजे जा रहे हैं। डॉरमेट्री कक्ष, स्वास्थ्य सुविधा केंद्र, यात्रियों को विश्राम करने के लिए टेंट स्थल, यात्री पंजीकरण कक्ष, आदि समुचित स्थल/ कार्यों का निरीक्षण किया। साथ ही चार धाम यात्रा में आए यात्रियों से मुलाकात कर, उन्हें चारधाम यात्रा की शुभकामना दी। इस अवसर पर अपर आयुक्त गढ़वाल मंडल नरेंद्र सिंह क्विराल, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश शैलेंद्र सिंह नेगी, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण लोकजीत सिंह, उप जिला अधिकारी ऋषिकेश कुम कुम जोशी, संयुक्त निदेशक पर्यटन योगेंद्र गंगवार, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एआरटीओ कार्यालय के समीप पुलिस की छापेमारी, छह हिरासत में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चारधाम जाने वाले टैक्सी चालक संचालकों से ग्रीन कार्ड के नाम पर अवैध वसूली करने वाले छह लोगों को एआरटीओ रूड़की व पुलिस की संयुक्त टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए छह लोगों को हिरासत में लिया है। जिनके कब्जे से कम्प्यूटर आदि अन्य सामान भी जब्त किया गया है।

रुड़की एआरटीओ कार्यालय के आसपास चार धाम जाने वाले टैक्सी संचालकों से तय फीस से कई गुना अधिक वसूली की शिकायत मिलने के बाद खुद एआरटीओ रुड़की एल्विन रॉक्सी ने कोतवाली पुलिस के साथ मिलकर एक ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें सयुंक्त टीम द्वारा एआरटीओ कार्यालय के समीप छापेमारी की गई। छापे के दौरान छह लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। साथ ही कंप्यूटर और कुछ कागजात भी जप्त किए गए हैं। एआरटीओ रुड़की ने बताया कि ग्रीन कार्ड के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत मिल रही थी इसलिए पुलिस के सहयोग से आज छापेमारी की गयी है। वहीं पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों के विरुद्ध मुकदमा कर कार्यवाही की जा रही है।

❑चारधाम जाने वाले टैक्सी संचालकों से कर रहे थे अवैध वसूली

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री रिद्धी (Riddhi) का नाम स्कूल दस्तावेजों मे रिद्धी कुमार (Riddhi kumar) अंकित है मेरी पुत्री रिद्धी कुमार (Riddhi kumar) के नाम को भविष्य मे रिद्धी (Riddhi) नाम से जाना जाये।

अभिभावक: सुधीर कुमार
निवासी 14/2/1 स्मिथ नगर,
प्रेमनगर देहरादून

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।